आमंत्रण

137वीं राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती

राष्ट्रकवि स्मृति वक्तृत्व स्पर्धा - 6 अगस्त, 2023

मान्यवर,

जैसा कि आप जानते हैं कविवर मैथिली शरण गुप्त भारत के स्वतंत्रता संग्राम तथा महात्मा गांधी के जन जागरण आंदोलन के शब्द-सिपाही थे जिन्हें राष्ट्र चेतना को झकझोर देने वाली अपनी कविताओं के लिए जाना जाता है तथा इसके लिए गांधी जी ने ही उन्हें राष्ट्रकवि की उपाधि से विभूषित किया था.

महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (म. गाँ. आ. सं.), सेवाग्राम की विद्यार्थी साहित्य परिषद तथा राष्ट्रकवि स्मृति समिति (रा. स्मृ. स.), वर्धा पिछले 24 वर्षों से गुप्त जयंती का आयोजन करते आ रहे हैं, जो वर्धा जिले में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने वाली एक प्रमुख साहित्य गतिविधि के रूप में जानी जाती है. स्वतंत्रता के इस अमृत महोत्सव वर्ष में 3 अगस्त को 137 वीं गुप्त जयंती के अवसर पर हमारा विचार है कि गुप्त जी की रचनाओं और उनके काव्य आदर्शों का पुनर्पाठ और पुनर्व्याख्या आज के सन्दर्भ में की जानी चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी का साहित्यबोध अपने इतिहास से भी समृद्ध हो.

इसी उपलक्ष्य में म. गां. आ. सं. तथा रा. स्मृ. स. के संयुक्त तत्वावधान में एक अंतर-महाविद्यालयीन वक्तृत्व स्पर्धा (Inter collegiate Elocution competition) का आयोजन आगामी 6 अगस्त को किया जा रहा है, जिसका विषय गुप्त जी की एक काव्य-पंक्ति से ही लिया गया है-

"केवल मनोरंजन न कवि का कर्म होना चाहिए..... "

(The poet's job is not only to entertain.....)

उपर्युक्त विषय पर इस वक्तृत्व स्पर्धा में वर्धा नगर के प्रत्येक महाविद्यालय/संस्थान/विश्वविद्यालय से एक विद्यार्थी प्रतिनिधि सहभागिता हेतु आमंत्रित है. इस निमित्त कृपया 25 जुलाई 2023 तक अपनी संस्था से प्रतिभागी का नाम अवश्य भेज

प्रथम पुरस्कार - रु 2000 नगद राशि तथा पुस्तकें
द्वितीय पुरस्कार- रु 1000 नगद राशि तथा पुस्तकें

संपर्क सूत्र

डॉ मनीषा भालावी, साहित्य परिषद अधिकारी महात्मा गाँधी आयुर्विज्ञान (मो.: 9527106864)

डॉ अनुपमा गुप्ता, सदस्य राष्ट्रकवि स्मृति समिति (मो.: 9422903102)

पैथोलॉजी विभाग, म. गां. आ. सं., सेवाग्राम- 442102 जिला- वर्धा

स्पर्धा कार्यक्रम स्थल :

सरोजिनी नायडू हॉल, महात्मा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान,
सेवाग्राम

तिथि व समय : 6 अगस्त 2023 (रविवार), सांय 5.30

प्रतिभागियों के लिए नियम

1. अपनी संस्था द्वारा दिया गया निजी पहचान पत्र व संस्था प्रमुख / छात्र परिषद अधिकारी शिक्षक द्वारा हस्ताक्षरित अनुमति पत्र (स्पर्धा में भाग लेने सम्बंधित) साथ ले कर आएं

2. कार्यक्रम स्थल तक आने-जाने का व्यय प्रतिभागी को स्वयं वहन करना होगा

3. वक्तृत्व की मुख्य भाषा हिंदी होगी. केवल उद्धरण के लिए अंग्रेजी या मराठी या कोई अन्य भारतीय भाषा का शब्द/वाक्य उपयोग करने की अनुमति है.

4. हर प्रतिभागी को 4 + 1 मिनट का समय दिया जाएगा. 4 मिनट पर घंटी द्वारा सूचित किया जाएगा

5. हम आपको इतना सुसंस्कृत मानते हैं कि आप किसी व्यक्ति/विचारधारा/धर्म/पंथ आदि पर निजी अथवा आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं करेंगे. ऐसा करने पर आपको स्पर्धा के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है.

6. निर्णायकों का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा.

सहयोग की अपेक्षा सहित:

डॉ मनीषा भालावी	डॉ ए के शुक्ला	डॉ ओ पी गुप्ता
साहित्य परिषद अधिकारी	अधिष्ठाता	संयोजक
	म. गां. आ. सं., सेवाग्राम	रा. स्मृ. स., वर्धा

137वीं राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती

राष्ट्रकवि स्मृति वक्तृत्व स्पर्धा - 6 अगस्त, 2023, महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान

प्रतिभागी प्रवेश पत्र

(निम्न पूर्ण जानकारी दिए बिना स्पर्धा में प्रवेश संभव नहीं होगा)

प्रतिभागी का नाम :

उम्र व लिङ्ग :

कक्षा :

महाविद्यालय का नाम व पता :

मोबाइल नंबर :

साहित्य गतिविधि / विद्यार्थी परिषद् प्रभारी अधिकारी का नाम :

मोबाइल नंबर :

हस्ताक्षर :

प्रभारी अधिकारी

प्रधानाध्यापक